एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – व्याकरण

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) व्याकरण महाभाष्य (पस्पशाह्निक)

(ब) लघुसिद्धान्त कौमुदी (लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकारों में भू एध् धातु की रूप सिद्धि)

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्य – पं0 चारुदेव शास्त्री
2. महाभाष्य – प्रदीपोद्योतटीका सहित– वेदव्रत
3. महाभाष्य – युधिष्ठिर मीमांसक
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – महेश सिंह कुशवाहा
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री

अंक विभाजन

1.	व्याकरण महाभाष्य से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	व्याकरण महाभाष्य से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी से चार (सूत्र निर्देश पूर्वक) प्रयोग सिद्धि	04x05= 20 अंक
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी से दो सूत्रों की व्याख्या	02x05= 10 अंक
5.	लघुसिद्धान्तकौमुदी से दो संज्ञायें	02x2-5= 05 अंक
6	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – (वैकल्पिक) लघुशोध प्रबन्ध

पूर्णांक– 100

(क) इस विकल्प को वही परीक्षार्थी ले सकेगा जो एम0ए0 संस्कृत का संस्थागत परीक्षार्थी होगा तथा जिसने एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में न्यूनतम 60 (साठ) प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।

(ख) इस विकल्प को लेने वाले परीक्षार्थी को एक लघु शोधप्रबन्ध लिखना होगा। जिसका विषय संस्कृत वाङ्मय की ही किसी न किसी शाखा से सम्बन्धित होगा और वह मौलिक, गवेषणात्मक, अभिनवमूल्याङ्कनात्मक अथवा सर्वेक्षणात्मक होगा।

(ग) परीक्षार्थी अपने शोध निर्देशक के निर्देशन में प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध के प्रतिपाद्य विषय की संक्षिप्त रूपरेखा को विभागाध्यक्ष से स्वीकृत कराने के बाद ही अपने लघुशोध प्रबन्ध को लिखना शुरु करेगा तथा उसकी दो प्रतियाँ टाइप करवाकर लिखित परीक्षा प्रारम्भ होने से कम से कम एक माह पूर्व अपने विभागाध्यक्ष के पास जमा करेगा।

(घ) विभागाध्यक्ष परीक्षार्थी से प्राप्त उसके लघु शोधप्रबन्ध की उन दो प्रतियों को विश्वविद्यालय कुलसचिव के पास परीक्षण करने हेतु भेजेगा।

(ड़) परीक्षार्थी को अपने शोध निर्देशक से ऐसा प्रमाणपत्र भी लेना होगा जो यह सिद्ध करें कि लघुशोध प्रबन्ध का लेखन उसने स्वयं ही किया है और इस कार्य में उसने किसी से अवैध सहायता नहीं ली है। यह प्रमाणपत्र लघुशोध प्रबन्ध में ही संलग्न कर देना होगा।

(च) इस लघुशोध प्रबन्ध के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक 100 होंगे। परीक्षण कार्य शोधनिर्देशक एवं बाह्य परीक्षक दोनों से कराया जायेगा। दोनों के लिए 50–50 अंक निर्धारित किये जायेगें।

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्नपत्र – गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) कादम्बरी बाणभट्टकृत (उज्जयिनी वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त)

(ब) विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग)

सहायक पुस्तकें

1. कादम्बरी– श्रीनिवास मिश्र
2. कादम्बरी– कृष्णमोहन शास्त्री
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन– वासुदेवशरण अग्रवाल
4. विक्रमांकदेवचरितम्– बी0एस0 मुरारीलाल नागर
5. विक्रमांकदेवचरितम्– विश्वनाथशास्त्री भारद्वाज
6. विक्रमांकदेवचरितम्– हरगोविन्द शास्त्री

अंक विभाजन

1.	विक्रमांकदेवचरितम् से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	विक्रमांकदेवचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
3.	कादम्बरी से दो व्याख्याऐं	02x10= 20 अंक
4.	कादम्बरी से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
5.	कादम्बरी से एक अनुवाद	01x05= 05 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र – नाट्यशास्त्र

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) नाट्यशास्त्र – भरत प्रणीत (प्रथम अध्याय)

(ब) दशरूपकम्– धनंजय प्रणीत (सम्पूर्ण)

सहायक पुस्तकें

1. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा
2. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल
3. नाट्यशास्त्र– एम0पी0 यूनी
4. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय
5. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाटी
6. दशरूपकम्– भोलाशंकर व्यास
7. दशरूपकम्– श्रीनिवास शास्त्री
8. दशरूपकम्– सुधाकर मालवीय
9. Sanskrit Drama- A. B. Keeth
10. Dasharupakam- Ed. & Tran- by F. Hall

अंक विभाजन

1.	नाट्यशास्त्र से दो व्याख्याएँ	02x7.5= 15 अंक
2.	नाट्यशास्त्र से एक टिप्पणी	01x05= 05 अंक
3.	दशरूपकम् से दो व्याख्याऐं	02x10= 20 अंक
4.	दशरूपकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
5.	दशरूपकम् से दो टिप्पणी	02x05= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध / सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – काव्यशास्त्र

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) काव्यशास्त्र – आचार्य मम्मट (प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ उल्लास रससूत्र पर्यन्त)

(ब) काव्यशास्त्र – आचार्य मम्मट (सप्तम, अष्टमउल्लास)

सहायक पुस्तकें –

1. काव्यप्रकाश– डॉ0 बाबूलाल शुक्ल
2. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर
3. काव्यप्रकाश– वामन झलकीकर
4. काव्यप्रकाश– श्रीनिवास शास्त्री
5. काव्यप्रकाश– पारसनाथ द्विवेदी
6. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– प्रो0 एस0 के0 डे0
7. अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार
8. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी0 वी0 काणे
9. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरन टण्डन
10. भारतीय साहित्य शास्त्र– डॉ0 बलदेव उपाध्याय

अंक विभाजन

1.	काव्यप्रकाश प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ से दो व्याख्याएँ	02x7.5= 15 अंक
2.	काव्यप्रकाश प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ से दो सूत्रांश व्याख्या	02x05= 10 अंक
3.	काव्यप्रकाश प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ से एक समीक्षत्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
4.	काव्यप्रकाश सप्तम, अष्टमउल्लास से दो व्याख्यायें प्रश्न	02x10= 20 अंक
5.	काव्यप्रकाश सप्तम, अष्टमउल्लास से एक आलोचनात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10अंक